>

Title : Need to review the new time-table implemented in Kendriya Vidyalayas by Kendriya Vidyalaya Sangathan.

श्री तूफ़ानी सरोज (मछलीशहर):मैं सरकार का ध्यान केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा हाल ही में लिए गए निर्णय की ओर आकृÂट करना चाहता हूं । केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा कानून 2009 के मद्देनजर मॉडल टाइम टेबल तैयार किया है । इस नये टाइम टेबल के अनुसार पहला और पांचवा पीरियड 45 मिनट का और बाकी पीरियड 40 मिनट का रखा गया है । इसी तरह सिंगल शिफ्ट वाले स्कूलों में स्कूल की शुरूआत सुबह 7.30 बजे से और डबल शिफ्ट वाले स्कूलों में स्कूल की शुरूआत 7.00 बजे से करने की बात की गई है । संगठन ने प्रतिदिन 6.10 मिनट की पढ़ाई की अवधि को बढ़ाकर 7.30 घंटे करने का प्रस्ताव किया है । संगठन ने प्लानिंग, तैयारी, चेकिंग, व अन्य कार्यों के लिए शिक्षकों को एक घंटे 20 मिनट स्कूल में अधिक रूकने की बात की है जबकि शिक्षक उपरोक्त काम अब तक अपने खाली पीरियड में करते रहे हैं ।

संगठन का यह निर्णय सुनने में अच्छा लग सकता है पर व्यवहारिक तौर पर देखा जाए तो यह शिक्षकों के साथ अन्याय है । चाहे सिंगल शिफ्ट वाले स्कूल हो या डबल शिफ्ट वाले , नया टाइम टेबल लागू करने से शिक्षकों एवं छात्रों दोनों को दिक्कत होगी । डबल शिफ्ट वाले छात्रों को सुबह 7.30 तक स्कूल पहूंचना होता था । अब समयावधि बढ़ा दिए जाने के बाद उन्हें सुबह 7 बजे स्कूल पहुंचना होगा । जाड़े के दिनों में छात्रों को सुबह-सुबह स्कूल पहूंचने और शाम को देर से घर आने में कितनी दिक्कतें होगी, इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है । इसी तरह शिक्षकों की कार्यावधि को एक घंटे 20 मिनट बढ़ा दिए जाने से उनको भी बेहद परेशानी का सामना करना पड़ेगा । स्कूल के छूटने के उपरांत तीन बजे के बाद शिक्षक अपने आवास पर पहूंचेगा तो फिर वह दोपहर का भेजन कब करेगा । वह न तो सुबह भोजन कर पाएगा और न दोपहर को। सिंगल रहने वाले शिक्षकों को तो और भी अधिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा । कब वह अपने आवास पर आएगा और कब भोजन तैयार करेगा ? संगठन के इस नये निर्णय से केंद्रीय विद्यालयों के शिक्षकों में व्यापक असंतोष है । शिक्षकों ने गत 16 मार्च को इस निर्णय के खिलाफ काली पट्टी बांधकर विरोध भी जताया था। संभव है आगे भी वे आंदोलन करें ।

अतः मेरी सरकार से मांग है कि वह केन्द्रीय विद्यालय संगठन को नये टाइम-टेबल को रद्द कर पुराने टाइम-टेबल को ही जो व्यावहारिक भी है, बरकरार रखने का निर्देश दें ।